

Content Manager System (CMS)

[Back to Menu Manager \(/admin/menu-contents/2\)](/admin/menu-contents/2)

Menu Name (English) *

About MOIL

Menu Name (Hindi) *

मॉयल के बारे में

Menu Position *

Top



Menu Type *

Content



Page Content (English) *



MOIL is a Schedule "A" Miniratna Category-I Company. It was originally incorporated as Manganese Ore (India) Limited in the year 1962. Subsequently, name of the Company was changed from Manganese Ore (India) Limited to MOIL Limited during the financial year 2010-11.

MOIL was originally set up in the year 1896 as Central Province Prospecting Syndicate which was later renamed as Central Provinces Manganese Ore Company Limited (CPMO), a British Company incorporated in the UK. In 1962, as a result of an agreement between the Government of India and CPMO, the assets of the latter were taken over by the Government and MOIL was formed with 51% capital held between the Govt. of India and the State Governments of Maharashtra and Madhya Pradesh and the balance 49% by CPMO. It was in 1977, the balance 49% shareholding was acquired from CPMO and MOIL became a 100% Government Company under the administrative control of the Ministry of Steel.

During the Financial year 2010-11, MOIL got listed on 15th December, 2010 on National Stock Exchange and Bombay Stock Exchange. After the listing, the shareholding in the company was Govt. of India (71.57%), Govt. of Maharashtra (4.62%) and Govt. of Madhya Pradesh (3.81%) and Public (20%). At present the shareholding pattern of the company is Govt. of India (53.84%), Govt. of Maharashtra (5.11%) and Govt. of Madhya Pradesh (5.40%) and Public (35.65%).

At present, MOIL operates 11 mines, seven located in the Nagpur and Bhandara districts of Maharashtra and four in the Balaghat district of Madhya Pradesh. All these mines are about a century old. Except 4, rest of the mines are worked through underground method. The Balaghat Mine is the largest mine of the Company. The mine has now reached a mining depth of about 383 meters from the surface. Dongri Buzurg Mine located in the Bhandara district of Maharashtra is an opencast mine that produces manganese dioxide ore used by dry battery industry. This ore in the form of manganous oxide is used as micro-nutrient for cattle feed and fertilizers. MOIL fulfils about 50% of the total requirement of dioxide ore in India. At present, the annual production is around 1.1 million tonne which is expected to grow in the coming years.

MOIL produces and sells different grades of Manganese Ore. They are:-

Page Content (Hindi) *



मॉयल एक अनुसूची "ए" मिनीरत्न श्रेणी-1की कंपनी है। इसे मूल रूप से वर्ष 1962 में मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड के रूप में शामिल किया गया था। इसके बाद, 2010-11 वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी का नाम मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड से मॉयल लिमिटेड में बदल दिया गया।

मॉयल को मूल रूप से वर्ष 1896 में सेंट्रल प्रोस्पेक्टिंग सिंडिकेट के रूप में स्थापित किया गया था, जिसे बाद में सेंट्रल प्रोविंस मैंगनीज अयस्क कंपनी लिमिटेड (CPMO) के रूप में बदल दिया गया जो एक ब्रिटिश कंपनी ब्रिटेन में निगमित हुई। 1962 में, भारत सरकार और CPMO के बीच एक समझौते के परिणामस्वरूप, सरकार द्वारा बाद की परिसंपत्तियों को ले लिया गया और सरकार के बीच 51% पूंजी के साथ मॉयल का गठन किया गया। भारत सरकार और महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सरकारों और शेष CPMO द्वारा 49% यह 1977 में था, शेष 49% शेयरधारिता सीपीएमओ से प्राप्त की गई थी और मॉयल इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में 100% सरकारी कंपनी बन गई थी।

वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान, मॉयल को 15 दिसंबर, 2010 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया। लिस्टिंग के बाद, कंपनी में भारत सरकार की (71.57%) हिस्सेदारी थी। महाराष्ट्र सरकार का (4.62%) और मध्य प्रदेश सरकार का (3.81%) और सार्वजनिक (20%)। वर्तमान में कंपनी की शेयरहोल्डिंग सरकार है। भारत का (53.84%), भारत सरकार महाराष्ट्र का (5.11%) और मध्य प्रदेश सरकार का (5.40%) और (35.65%) सार्वजनिक है।

वर्तमान में, मॉयल 11 खानों का संचालन करती है, सात महाराष्ट्र के नागपुर और भंडारा जिलों में और चार मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित हैं। ये सभी खदानें लगभग एक सदी पुरानी हैं। 4 को छोड़कर, बाकी खानों को भूमिगत विधि के माध्यम से काम किया जाता है। बालाघाट खदान कंपनी की सबसे बड़ी खदान है। खदान अब सतह से लगभग 383 मीटर की गहराई तक खनन कर चुकी है। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित डोंगरी बुजुर्ग माइन एक ओपेनकास्ट खान है जो मैंगनीज डाइऑक्साइड अयस्क का उत्पादन करती है जिसका उपयोग बैटरी उद्योग द्वारा किया जाता है। मैंगनीज ऑक्साइड के रूप में इस अयस्क का उपयोग पशु आहार और उर्वरकों के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व के रूप में किया जाता है। MOIL भारत में डाइऑक्साइड अयस्क की कुल आवश्यकता का लगभग 50% पूरा करता है। वर्तमान में, वार्षिक उत्पादन लगभग 1.1 मिलियन टन है जो आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है।

मॉयल मैंगनीज अयस्क के विभिन्न ग्रेड का उत्पादन और बिक्री करता है जो निम्नलिखित हैं: -

- फेरो मैंगनीज के उत्पादन के लिए उच्च ग्रेड के अयस्क

Menu Page Keywords *

About MOIL

Menu Page Description *

About MOIL

Submit